‘साइबेरियन क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों को पुनः राजस्थान लाने की योजना बनायें’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राज्य वन्य जीव मंडल की बैठक में वन्य जीव प्रबंधन कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिये

जयपुर, 23 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वन्यजीव संसाधन राज्य की गौरवशाली पहचान है। वन्यजीवों का संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सभी की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वन्यजीवों तथा जैव विविधता के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। शर्मा ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन्यजीव प्रबंधन के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग हो। इसमें जनता की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य वन्यजीव मण्डल की 15वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र के मुख्य घटक होते हैं। ऐसे में वन्यजीवों के महत्व को लेकर व्यापक स्तर पर जागरुकता पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के वन्यजीव संसाधनों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों से वन्यजीव संरक्षण के संबंध में सुझाव लिए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन हमारी विरासत हैं। प्रकृति का संरक्षण पुण्य समान है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे विषयों पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने लैन्टाना उन्मूलन की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राज्य वन्यजीव मण्डल की 15वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के वन्यजीव संसाधनों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

एसओपी का अनुमोदन किया। साथ ही, जूली फ्लोरा को अभियान चलाकर जन सहयोग से हटाने और उनके स्थान पर अन्य पौधे लगाने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि साइबेरियन क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों को पुनः राजस्थान में लाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा वन्यजीव क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने संस्था प्रतिनिधियों से कहा कि वन्यजीव संरक्षण और संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ें, राज्य सरकार पूर्ण रूप से आपके साथ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मानसून में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कहा कि हर गांव-हर शहर में वन मित्र और वृक्ष मित्र

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मानसून में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा, वन विभाग हर गाँव व हर शहर में वन मित्र और वृक्ष मित्र बनाये।**

बनाए जाएं, उनके सामूहिक प्रयासों से ही प्रदेश पर्यावरण संरक्षण की दिशा में और आगे बढ़ेगा। राज्य वन्यजीव मंडल द्वारा पूर्व में सर्कुलेशन के माध्यम से अनुमोदित 65 वन्यजीव स्वीकृति प्रकरणों का अनुमोदन किया गया। साथ ही, राज्य वन्यजीव मंडल ने सोमवार की बैठक में 24 प्रस्तावों का अनुमोदन किया। इससे वन्यजीव संरक्षण व संवर्धन के कार्यों को गति मिलेगी।

इस दौरान, राज्य के वन्य क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित विभिन्न प्रस्तावों सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सहित, समिति सदस्य, विभागीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

यूट्यूबर ज्योति की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी

हिसार, 23 जून। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्ययूबर ज्योति मल्होत्रा की सोमवार को हिसार न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई, जिसके बाद ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अब मामले की अगली सुनवाई सात जुलाई को होगी। ज्योति को 16 मई को

- **यूट्यूबर ज्योति, जो पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार की गई थी, की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिसार कोर्ट में पेशी हुई।**

हिसार पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद वह नौ दिन तक पुलिस रिमांड पर रही। फिर 23 जून को कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा था। इससे पहले उसकी बेल याचिका निचली अदालत ने खारिज कर दी थी। ज्योति के वकील कुमार मुकेश का कहना है कि वे अब सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल करेंगे और कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उनका कहना है कि ज्योति पर जो धाराएं लगाई हैं वे गलत हैं। वहीं कुमार मुकेश का कहना है कि हालांकि पुलिस की चार्जशीट से पता चलेगा कि पुलिस ने किस आधार पर ज्योति पर कार्रवाई की है।

ईडी ने महेश जोशी व बेटे के खिलाफ परिवाद पेश किया

जल जीवन मिशन के 200 करोड़ रूपए के घोटाले से जुड़े प्रकरण में कुल 18 आरोपियों के खिलाफ परिवाद पेश हुआ

जयपुर, 23 जून। जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में जांच एजेंसी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी और उनके बेटे रोहित जोशी सहित, कुल 18 आरोपियों के खिलाफ परिवाद पेश किया है।

ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर अंशुल की ओर से पेश परिवाद में पीएमएलए एक्ट की धारा 3 व 4 के तहत आरोप लगाए गए हैं। परिवाद में कहा गया कि सह आरोपियों के जरिए, महेश जोशी तक रिश्वत की राशि पहुंचाई जाती थी। आरोपियों की फर्म से महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी की फर्म को भी करीब पचास लाख रुपए का भुगतान किया गया था। आरोपी फर्म ने पूर्णता प्रमाण पत्र के जरिए करोड़ों रुपए के टेंडर का भुगतान लिया है। जब इन प्रमाण पत्रों की जांच की गई तो वे फर्जी निकले।

ईडी ने महेश जोशी और रोहित जोशी के साथ ही, मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी, मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी, संजय बड़ाया, मुकेश पाठक, मायालाल सैनी, राकेश सिंह, प्रदीप कुमार, प्रवीण कुमार अग्रवाल, मलकेत सिंह, विशाल सक्सैना, महेन्द्र प्रकाश सोनी, मैसर्स सुमंगलम लैंडमार्क एलएलपी, हिमांशु

- **परिवाद में कहा गया है कि सह आरोपियों के जरिए महेश जोशी तक रिश्वत की राशि पहुँचाई जाती थी।**
- **आरोपी फर्म ने पूर्णता प्रमाण पत्र के जरिए करोड़ों रूपयों का भुगतान किया। प्रमाण पत्रों की जाँच की गई तो वे फर्जी निकले।**

रावत, नमन खंडेलवाल, तन्मय गोयल और हेमराज गुप्ता के खिलाफ परिवाद पेश किया है।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर प्रारंभ में एसीबी ने मामला दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद प्रकरण में कई सौ करोड़ रुपए के लेन- देन का खुलासा होने पर प्रवर्तन निदेशालय ने मामला दर्ज किया था। ईडी ने मार्च, 2024 में महेश जोशी को समन जारी कर तलब किया था। समन जारी करने के करीब एक साल बाद ईडी ने महेश जोशी को पूछताछ के लिए बुलाया और फिर गिरफ्तार कर लिया। अदालत में पेशी के दिन महेश जोशी की पत्नी का निधन हो गया। इस कारण महेश जोशी को दो बार अंतरिम जमानत मिली। तथापि, गत दिनों ईडी मामलों की विशेष अदालत ने महेश जोशी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। इसके बाद जोशी की ओर से हाईकोर्ट में जमानत याचिका पेश की गई है, जिस पर आगामी दिनों में सुनवाई होनी है।

सुबोध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई.ए.एस. अखिल अरोड़ा ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, तथा वर्ष 1995 बैच के आई.ए.एस. भास्कर आत्माराम सावंत ने भी अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह, गृह रक्षा, जेल एवं राजस्थान राज्य अन्वेषण ब्यूरो एवं पदेन मुख्य सतर्कता आयुक्त, एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग का कार्यभार संभाला।

आई.ए.एस. डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष, तथा वासुदेव मालावत ने आईसीडीएस के निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण किया है।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 11 मई, 2019 को भांकरोटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि अभियुक्त उनके यहाँ किराए पर रहता था। मातादीन शर्मा की 16 साल की बेटी 6 अप्रैल की रात करीब एक बजे टॉयलेट के लिए उठी थी। इस दौरान अभियुक्त उसे जबरन अपने कमरे में ले गया और दरवाज़ा बंद कर छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता के चाचा ने आवाज़ सुनकर अभियुक्त के कमरे को खुलवाया। अभियुक्त उसे धमकी देकर भाग गया। रिपोर्ट में कहा गया कि बाद में अभियुक्त ने पीड़िता को जबरन मोबाइल फोन दिया और अब फोन पर धमकी देता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने एफआईआर के तथ्यों को दोहराते हुए अदालत को बताया कि अभियुक्त ने एक रात उसे फोन कर बाहर बुलाया और पास के खाली मकान में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद वह आकर सो गई। अगले दिन जब अभियुक्त का फोन आया तो चाचा ने उसे फोन पर बात करते हुए देख लिया। इसके बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

ईरान ने कतर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ा असर नहीं हुआ है क्योंकि अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने ईरानी मिसाइलों को रोक दिया है। कतर की राजधानी दोहा में विस्फोटों की आवाजें सुनाई दींऔर रात के आसमान में प्रक्षेपास्त्र दिखाई दिए। इसके अलावा कतर ने ‘नागरिकों, निवासियों, आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने’ के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया।(भारतीय दूतावास ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए कतर में भारतीय समुदाय से सतर्क रहने और घर के अंदर रहने का आग्रह किया जाता है। कृपया शांत रहें और कतर के अधिकारियों द्वारा दिए गए स्थानीय समाचारों, निर्देशों और मार्गदर्शन का पालन करें। दूतावास हमारे सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से भी अपडेट करता रहेगा। कतर के प्रधानमंत्री के सलाहकार और विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने ट्वीट किया, कतर राज्य ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा अल-उदीद एयर बेस पर किए गए हमले की कडी निंदा करता है।

अपेक्षित से ही रहे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बार अनवर ने फिर निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा, लेकिन वे कांग्रेस और सीपीएम, दोनों से पीछे चल रहे हैं। शौक़त के पिता आर्यादन मोहम्मद नीलांबुर से आठ बार विधायक रह चुके हैं। केरल और बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष होंगे।

कांग्रेस की यह जीत पार्टी के लिए संजीवनी साबित हो सकती है, जिसे केरल में वामपंथियों और भाजपा, दोनों से चुनौती का सामना करना है। ज्ञातव्य है कि भाजपा केरल में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही है। गुजरात की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के इटालिया गोपाल ने भाजपा के किरीट पटेल को 17,554 वोटों से हराया। 2022 में आप ने विसावदर समेत पांच सीटें जीती थीं, लेकिन विधायक भूपेन्द्र भयानी बाद में भाजपा में शामिल हो गए। गुजरात की कड़ी विधानसभा सीट भाजपा ने अपने पास बनाए रखी। यह उपचुनाव भाजपा विधायक करसन सोलंकी के निधन के कारण हुआ थाउत्तर भारत में लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी संजीव अरोड़ा कांग्रेस के भारत भूषण आशु से 10,000 से अधिक वोटों से आगे रहे।

प.बंगाल विधानसभा में हंगामा, भाजपा के चार विधायक निलम्बित

स्पीकर बिमान बनर्जी ने चारों विधायकों को पूरे मानसून सत्र के लिए निलम्बित कर दिया

कोलकाता, 23 जून। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार विधायकों को सदन में, कथित तौर पर, अभद्र व्यवहार करने के आरोप में मौजूदा मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया। इसके विरोध में भाजपा विधायकों ने नारेबाजी करते हुए विधानसभा से बर्हिगमन किया।

निलंबित भाजपा विधायकों में अग्निमित्र पॉल, मुख्य सचेतक शंकर घोष, मनोज ओरांव और दिलीप बर्मन शामिल हैं। उन पर अध्यक्ष का अनादर और सदन में अभद्र व्यवहार करने का आरोप है। आरोप है कि निलम्बित विधायकों ने मार्शल से हाथापाई भी की।

बीजेपी के अन्य विधायक भी हाथापाई में शामिल हो गए। पुरुलिया के विधायक सुदीप मुखर्जी ने कथित तौर पर मार्शलों का कॉलर पकड़ लिया। हंगामे के दौरान बीजेपी नेता मिहिर गोस्वामी जमीन पर गिर गए, जबकि शंकर उनके बगल में खड़े थे। उनकी आंखों पर लगा चश्मा गिर गया और भीड़ के दबाव के कारण वह टूट गया।

अध्यक्ष ने मार्शल को निलंबित भाजपा विधायकों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया, जिससे सदन

- **बिमान बनर्जी ने निलम्बित विधायकों पर स्पीकर का अनादर करने का आरोप लगाया और निलम्बित विधायकों को मार्शल द्वारा बाहर ले जाने का आदेश दिया, आरोप है कि सभी भाजपा विधायकों ने इस पर वॉक आउट किया और मार्शल से हाथापाई भी की।**
- **स्पीकर ने कहा, भाजपा विधायक अपनी बात कह कर सदन से चले जाते हैं मंत्री का जवाब नहीं सुनते इसलिए उनके भाषण कार्यवाही में शामिल नहीं किए जाएंगे। इसके बाद हंगामा शुरु हो गया।**

में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी सहित अन्य पार्टी विधायक नाराज होकर कुछ देर तक आसन के पास खड़े रहे और अंत में वे अपने सभी विधायकों को सदन से बाहर ले गए।

जानकारी के मुताबिक, हाथापाई में विधानसभा के कई कार्यकर्ता भी घायल हुए हैं। इस सूची में मार्शल देवव्रत मुखर्जी और डिप्टी मार्शल तन्मय बनर्जी के अलावा, अदिति मुखर्जी, पियाली बाल और रेशमा खातून जैसी महिला कार्यकर्ता भी शामिल हैं। कई लोगों को चोटें आई हैं। उन्हें फर्स्ट ऐड भी मुहैया कराया गया है। जिस समय बीजेपी के चार विधायकों को विधानसभा से बाहर ले जाया गया। उस समय भगवा पार्टी के अन्य विधायक हिंदू विरोधी सरकार अब नहीं चाहिए जैसे नारे लगा रहे थे। सदन के बाहर भाजपा कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन कर रहे थे।

सदन में सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल रहा, जब भाजपा विधायक अशोक लाहिड़ी ने आसन से पूछा कि पिछले गुरुवार को जब वे बोले थे तो उनके बयान को रिकॉर्ड से क्यों हटा दिया गया।

गौरतलब है कि गुरुवार को अध्यक्ष ने फैसला सुनाया कि चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों के भाषणों को रिकॉर्ड से हटा दिया जाए, क्योंकि संबंधित मंत्री के जवाब देने के दौरान विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए थे।

प.बंगाल में चुनाव की जीत के जश्न में विस्फोट

कोलकाता, 23 जून। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में कालीगंज विधानसभा क्षेत्र के मोलंदी इलाके में सोमवार को अज्ञात बदमाशों के एक समूह ने सॉकेट बम फेंका, जिसमें एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्र में 19 जून को हुए उपचुनाव के लिए मतगणना चल रही है। गत 19 जून को इस सीट के लिए मतदान हुआ था। आज सुबह आठ बजे से मतगणना

- **कालीगंज विधानसभा सीट में हुए इस विस्फोट में एक छोटी बालिका की मौत हो गई।**
- **मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बालिका की मौत पर दुख जताया तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश दिए।**

शुरू हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार अलीफा अहमद की जीत का जश्न मनाने के दौरान सॉकेट बम से विस्फोट किया, जिसमें उनकी पुत्री तमन्ना खातून की मौके पर ही मौत हो गयी। तमन्ना चौथी कक्षा की छात्रा थी। घटना के समय तमन्ना अपनी मां के साथ नहाने के लिए पास के एक जलाशय में जा रही थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमन्ना की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, कृष्णानगर के बारोचंदगर में हुए विस्फोट में एक नाबालिग किशोरी की मौत पर मैं स्तब्ध और बहुत दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। पुलिस दोषियों के खिलाफ सख्त और निर्णायक कानूनी कार्रवाई करेगी।

इज़रायल ने तेहरान की एविन जेल पर हमला किया

- **जवाब में ईरान ने इज़रायल पर कई मिसाइलें दागी**
- **इज़रायल ने कहा कि एविन जेल ईरान में राजनैतिक दमन का प्रतीक है और इज़रायल दमन के सभी केन्द्रों पर हमले करेगा।**
- **जवाबी कार्यवाही में ईरान ने इज़रायल पर 40 मिनट में 6-7 मिसाइलें दागी, हालांकि इस हमले में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।**

तेल अवीव/तेहरान, 23 जून। ईरान की राजधानी तेहरान में एविन जेल पर इज़रायली वायुसेना ने हमला किया है। जवाब में ईरान ने भी इज़रायल पर कई हवाई हमले किए।

ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, यह हमला जेल के प्रशासनिक, सुरक्षा और अदालत खंडों को निशाना बनाकर किया गया। ज्ञातव्य है कि इस जेल को लंबे समय से राजनीतिक दमन का प्रतीक माना जाता है।

इजरायली हमले में एविन जेल के मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त हो गये। फिलहाल, कैदी सुरक्षित हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) के आधिकारिक मीडिया तस्नीम समाचार ने बताया कि उत्तरी तेहरान के एविन पड़ोस में एक विद्युत फीडर पर हमला किया गया जिससे इलाके में बिजली की आपूर्ति ठप हो गयी। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने आज कहा, अब इजरायली सेना तेहरान के बीचों-बीच ईरानी सरकार के प्रतिष्ठानों और दमन करने वाले कार्यालयों पर जबरदस्त हमला कर रही है। उन्होंने कहा है कि इजरायल पर हर हमले के बदले ईरानी तानाशाह को सज़ा दी जायेगी, और हमारी जवाबी कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। इजरायली हवाई हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने सोमवार को इजरायल पर हवाई हमलों की झड़ी लगा दी, जिससे दक्षिणी इजरायल में हजारों इजरायलियों को भूमिगत बंकरों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि एक ईरानी मिसाइल के हमले में बिजली ग्रिड बाधित होने की खबर है।

‘द टाइम्स आफ इजरायल’ के मुताबिक, हमलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और अधिकांश बुनियादी ढ ांचा सुरक्षित है, लेकिन दक्षिणी इजरायल में बिजली ग्रिड के बाधित होने की सूचना है।

इजरायली रक्षा बलों ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि ईरान द्वारा 40 मिनट की अवधि में चार श्रृंखलाओं में छह-सात मिसाइलें दागी गईं। इजरायल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन ने कहा कि बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिणी इजरायल में एक ‘रणनीतिक बुनियादी ढ ांचा सुविधा’ के पास टकराई जिससे क्षेत्र के कई शहरों में अस्थायी रूप से बिजली गुल हो गई। आईडीएफ के मुताबिक, लगभग एक घंटे बाद एक और बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई, जिसे सफलतापूर्वक रोक दिया गया और उससे किसी भी प्रकार के जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

लालू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जांच 24 जून के पूर्वाह्न में की जाएगी। उसी दिन दोपहर तक नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया भी पूरी होगी। यदि यादव का नामांकन वैध पाया गया और उन्होंने अपना नाम वापस नहीं लिया तो उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा। पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक 05 जुलाई को आयोजित की जाएगी, जिसमें इस प्रक्रिया की पुष्टि के साथ औपचारिक रूप से उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की घोषणा की जाएगी।

तकनीकी कारणों से एयर इंडिया का विमान वापस दिल्ली उतरा

नयी दिल्ली, 23 जून। एयर इंडिया के विमानों में तकनीकी खराबी की घटनाएँ कम नहीं हो रहीं हैं। सोमवार को दिल्ली से जम्मू जाने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी समस्या आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे वापस उतारना पड़ा।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि सोमवार 23 जून को दिल्ली से जम्मू के लिए संचालित होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 2564 को उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली उतारना पड़ा।

उन्होंने कहा कि तकनीकी समस्या के कारण मूल विमान के दिल्ली लौटने के बाद हमारी दिल्ली-जम्मू उड़ान को संचालित करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

भारत को आशंका है, ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

या बारूदी सुरंगें बिछाना। ऐसे कदम बाजारों में अस्थिरता ला सकते हैं, खाड़ी की ओर जाने वाले टैंकरों के बीमा का प्रीमियम बढ़ा सकते हैं, और पूरे एशिया की तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं को झटका दे सकते हैं।

भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, अपनी कच्चे तेल की ज़रूरतों का 60 प्रतिशत से अधिक खाड़ी क्षेत्र से प्राप्त करता है, जिसमें अधिकांश आपूर्ति होरमुज़ से होकर गुजरती है। थोड़े समय के व्यवधान से भी भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड सकता है।

ब्रेंट क्रूड की कीमत 100-105 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, जिससे भारत का तेल आयात बिल बढ़ेगा, व्यापार घाटा और रुपया कमजोर होगा, और ईंधन (तेल) की कीमत बढ़ेगी। खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू बजट पर दबाव पड़ेगा और सरकार को ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती करनी पड़ सकती है, जिससे राजकोषीय संतुलन प्रभावित होगा।

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्थिति को लेकर आश्वासन देने की कोशिश की है, यह बताते हुए कि भारत हाल के वर्षों में ऊर्जा की सप्लाई करने वाले स्रोतों में विविधता लाया है, जिसमें रूस से रियायती दर पर मिलने वाला तेल भी शामिल है, और तेल बेचने वाली कंपनियों के पास भी कई हफ्तों का बफर स्टॉक है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि "ईंधन स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।" लेकिन सरकारी अधिकारी भी यह स्वीकार करते हैं कि तेल और गैस "बेहद संवेदनशील क्षेत्र (चीजें)" हैं तथा इसलिये दीर्घकालिक व्यवधान आर्थिक और रणनीतिक रूप से गहरा संकट ला सकता है।

आर्थिक प्रभाव से परे, भारत को क्षेत्रीय स्तर पर भी कई कमजोरियों का सामना करना पड सकता है। खाड़ी देशों में 80 लाख से अधिक भारतीय रहते और काम करते हैं, जिससे किसी भी तरह का तनाव मानवीय संकट का रूप ले सकता है। धन का प्रवाह प्रभावित हो सकता है और आपातकालीन निकासी योजनाएं सक्रिय करनी पड़ सकती हैं। इसके अलावा, भारत के रणनीतिक निवेश, विशेषकर ईरान में चाबहार बंदरगाह, भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे मध्य एशिया तक उसकी पहुंच संकट में पड़ सकती है। समुद्री असुरक्षा भारत की शिपिंग कंपनियों और गुजरात से केरल तक के पश्चिमी तटीय बंदरगाहों को भी प्रभावित कर सकती है।

राजनयिक स्तर पर भी, नई दिल्ली को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उसके ईरान और इज़रायल, दोनों से ही रणनीतिक संबंध हैं, और अमेरिका के साथ भी निकटता बढ़ रही है। जैसे-जैसे यह संघर्ष और गहरायेगा, भारत के लिए अपनी संतुलित तटस्थता बनाए रखना कठिन होता जाएगा। कोई भी चूक इन संबंधों में तनाव पैदा कर सकती है, खासकर ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक स्तर पर प्रभाव बढ़ाना चाहता है।

हालांकि होरमुज़ स्ट्रेट को औपचारिक रूप से बंद नहीं किया गया है, लेकिन इसके जोखिम सिर्फ काल्पनिक नहीं हैं। खाड़ी क्षेत्र में व्यवधान की केवल चर्चा भर से ही बाजारों में हलचल और कूटनीतिक चिंता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए यह केवल विदेश नीति का मुद्दा नहीं है, यह एक घरेलू आर्थिक चुनौती है, जो किसी भी समय सामने आ सकती है।

अमेरिका ने ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैमर के दौरान ईरान के खिलाफ विमानों की उड़ान के लिए अमेरिका द्वारा भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया गया था। यह दावा फर्जी है। ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान अमेरिका द्वारा भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया गया था। पीआईबी ने सबूत के तौर पर अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन की प्रेस ब्रीफिंग का लिंक संलग्न किया, जिसमें जनरल डैन केन ने अमेरिकी विमानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग के बारे में स्पष्ट रूप से बताया है।

जनरल डैन केन के अनुसार, शुक्रवार आधी रात से शनिवार सुबह तक, बमों से युक्त सात बी-2 स्पिरिट बमवर्षक स्ट्राइक पैकेज में भारत की सीमा के विपरीत दिशा से पश्चिम की ओर से आये थे। इससे पुष्टि होती है कि भारतीय हवाई क्षेत्र इस मिशन का हिस्सा नहीं था। गौरतलब है कि शनिवार देर रात को अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन मिडनाइट हैमर में ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में स्थित प्रमुख परमाणु ढ ांचों को निशाना बनाया गया। इसमें स्टील्थ बॉम्बर्स और पनडुब्बियों द्वारा दागे गए बंकर-बस्टर बमों सहित, 75 सटीक-निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल किया गया। ऑपरेशन के बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे कि एक्स पर कई पोस्ट सामने आए, जिनमें दावा किया गया कि अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने भारत के रास्ते ईरान में प्रवेश किया था। इन दावों ने सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर उन्माद को जन्म दिया कि भारत ने हमले के लिए अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इस बीच, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने संतुलित रुख बनाए रखा है और मध्य पूर्व में तनाव को कम करने का आव्हान किया है।(केन्द्र सरकार ने रविवार को सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों और रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी सेना ने शनिवार रात ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले करने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया था। एक आधिकारिक बयान में प्रेस सूचना ब्यूरो ने इस वायरल पोस्ट को झूठा बताया। हमले के बाद, कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि अमेरिका ने भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया था।

रैज़िडैंट डॉक्टर की करंट से मौत पर मानवाधिकार आयोग ने रिपोर्ट माँगी

जयपुर, 23 जून। राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर के रवीन्द्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में वॉटर कूलर से करंट लगने पर रैज़िडैंट डॉक्टर की मौत के मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, स्थानीय कलेक्टर, एसपी और राजस्थान मेडिकल काउन्सिल सहित पोस्टमार्टम करने वाली दोनों मेडिकल टीमों से 9 जुलाई तक तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने ये आदेश प्रकरण में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

आयोग ने अपने आदेश में कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन का यह दायित्व बनता है कि वह प्रत्येक छात्र की सुरक्षा व खाने-पीने की उचित व्यवस्था करे, लेकिन मेडिकल कॉलेज इसमें स्पष्ट रूप से असफल रहा है। आयोग ने कहा कि उत्तरदायित्व से बचने के लिए मृतक चिकित्सक की प्रथम

- **आयोग ने उदयपुर मैडिकल कॉलेज के प्राचार्य, मैडिकल कॉलेज, स्थानीय कलैक्टर व एसपी, राजस्थान मैडिकल काउन्सिल तथा पोस्टमार्टम करने वाली दोनों टीमों को 9 जुलाई तक तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।**

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और द्वितीय पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण अलग-अलग बताया गया है। इसके लिए दोषी चिकित्सकों के खिलाफ राजस्थान मेडिकल काउन्सिल की ओर से अनुशासनात्मक कार्रवाई करके, संबंधित मेडिकल कॉलेज के प्रशासन द्वारा आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने का मामला भी बनता है। ऐसा लगता है कि इन बिंदुओं पर स्थानीय प्रशासन, रवीन्द्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के उत्तरदायी अधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो दुखद है।

भारत मौन नहीं, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मूल रूप से, भारत की चुप्पी अब अनदेखी नहीं रह गई है। बहुपक्षीय मंचों पर मतदान से दूरी, और द्विपक्षीय वार्ताओं में धीमा कूटनीतिक रुख, इन सब संकेतों से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत अपनी ऐतिहासिक नैतिक आवाज से पीछे हट रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक अस्थिरता अपने चरम पर है, भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर कठिन सवाल खड़े हो रहे हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908